ॐ गं गणपतये नमः

जन्मपत्रिका

Hritik Roshan

Model: 1-Silver-Varshaphal-Plan
SrNo: 112-114-105-1023 / 506
Date: 07/11/2019

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
10/01/1974	जन्म तिथि	**10-11/01/2019**
गुरुवार	दिन	गुरु–शुक्रवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	00:49:20 घंटे
घटी 11:54:11	जन्म समय(घटी)	43:57:31 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Mumbai
उत्तर 18:58:00	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
पूर्व 72:50:00	रेखांश	72:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:19	सूर्योदय	07:14:19
18:17:17	सूर्यास्त	18:17:59
23:29:58	चित्रपक्षीय अयनांश	24:07:08

मीन	लग्न	कन्या
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कर्क	राशि	कुम्भ
चन्द्र	राशि–स्वामी	शनि
आश्लेषा	नक्षत्र	शतभिषा
बुध	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	4
प्रीति	योग	व्यतिपात
वणिज	करण	बव
डू–डूंगरमल	जन्म नामाक्षर	सू–सुगन्धा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	अश्व
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मेष
45	गत / तत्कालिक वर्ष	46

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
रेवती	1	18:55:35	मीन		
पूर्वाषाढ़ा	4	26:08:06	धनु		
आश्लेषा	2	20:53:31	कर्क		
अश्विनी	4	12:37:35	मेष		
उत्तराषाढ़ा	1	26:42:18	धनु		अ
श्रवण	4	22:58:23	मक		
श्रवण	3	16:50:31	मक	व	
मृगशिरा	4	06:19:01	मिथु	व	
मूल	2	05:00:22	धनु	व	
मृगशिरा	4	05:00:22	मिथु	व	
चित्रा	4	04:03:29	तुला		

वर्ष – विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कन्या	27:18:05	2	चित्रा
सूर्य			धनु	26:08:06	4	पूर्वाषाढ़ा
चंद्र			कुंभ	17:29:36	4	शतभिषा
मंगल			मीन	12:25:30	3	उ०भाद्रपद
बुध		अ	धनु	14:27:52	1	पूर्वाषाढ़ा
गुरु			वृश्चि	19:40:05	1	ज्येष्ठा
शुक्र			वृश्चि	09:20:26	2	अनुराधा
शनि		अ	धनु	18:24:55	2	पूर्वाषाढ़ा
राहु			कर्क	02:37:51	4	पुनर्वसु
केतु			मक	02:37:51	2	उत्तराषाढ़ा
मु		अ	धनु	18:55:35	2	पूर्वाषाढ़ा

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:08

लग्न–चलित

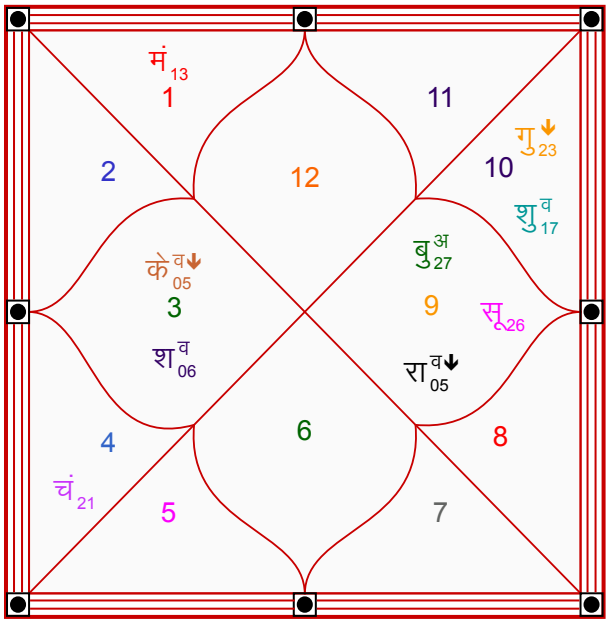

वर्ष लग्न कुंडली

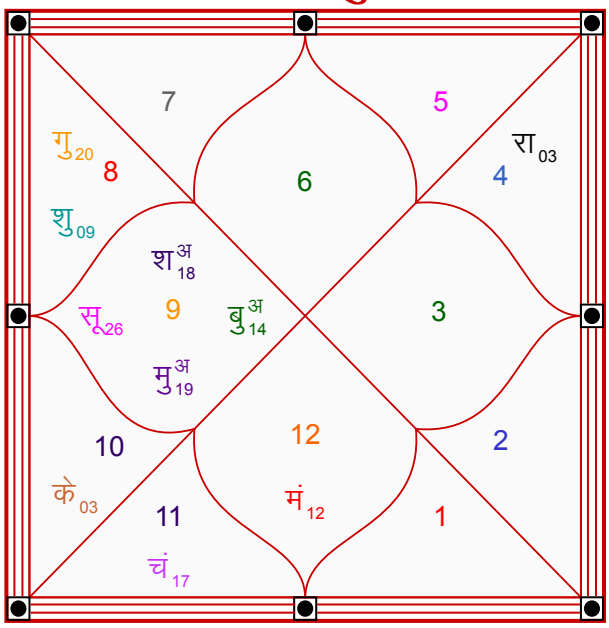

चन्द्र कुंडली

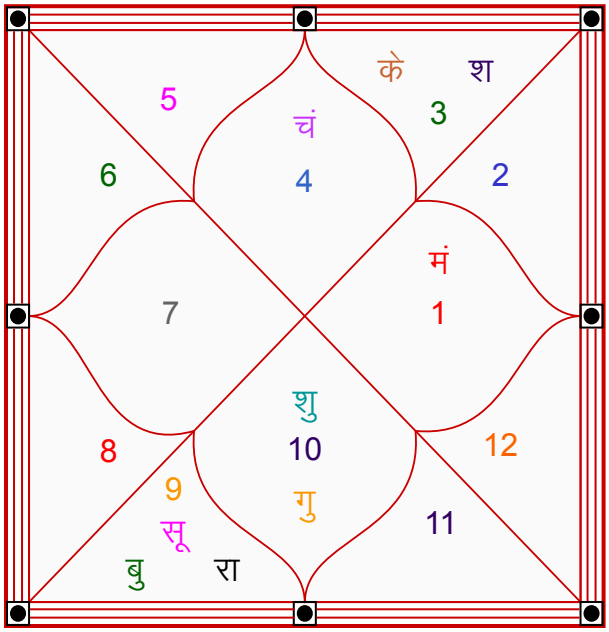

वर्ष चन्द्र कुंडली

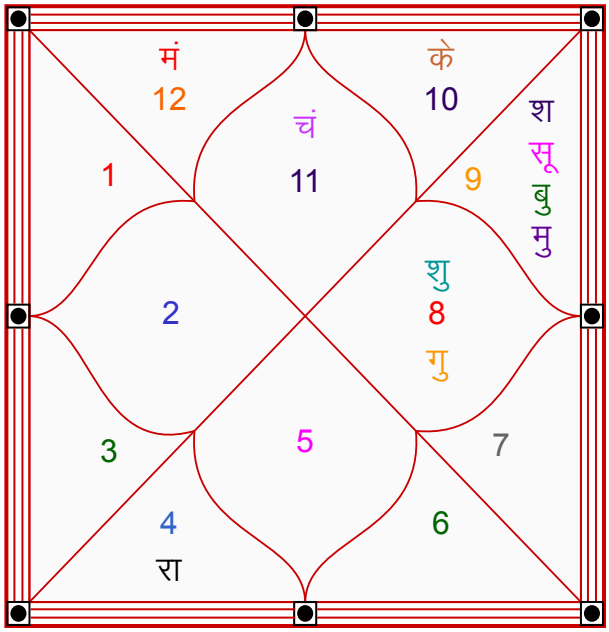

नवमांश कुंडली

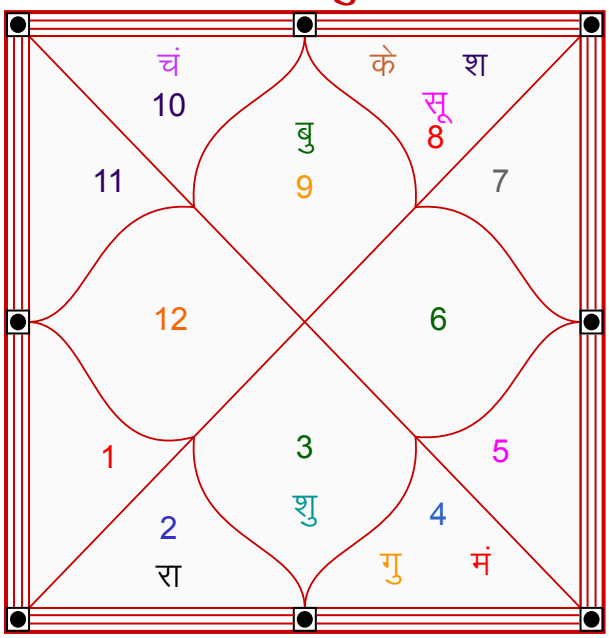

वर्ष नवमांश कुंडली

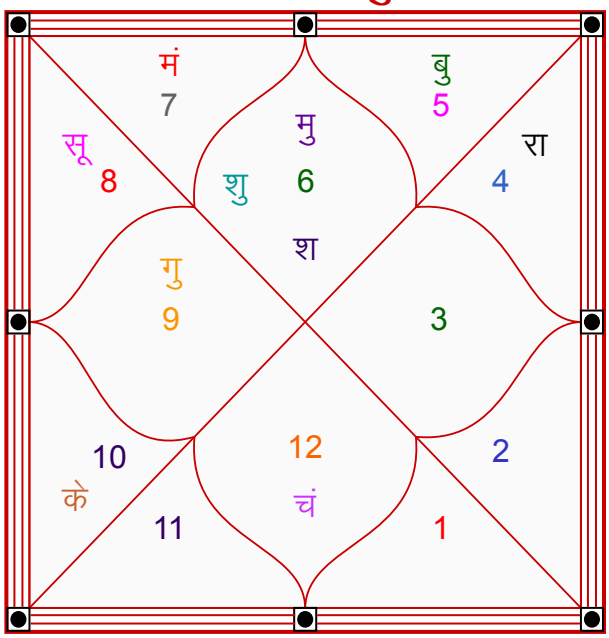

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	———	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम	शत्रु
चन्द्र	मित्र	———	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	शत्रु	सम	———	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	———	सम	सम	शत्रु
गुरु	सम	शत्रु	मित्र	सम	———	शत्रु	सम
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	———	सम
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम	———

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कन्या	धनु	कुंभ	मीन	धनु	वृश्चि	वृश्चि	धनु
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	कन्या	कुंभ	मिथु	मीन	कर्क	सिंह	वृश्चि	कर्क
चतुर्थांश	मिथु	कन्या	सिंह	मिथु	मीन	वृष	कुंभ	मिथु
पंचमांश	वृश्चि	तुला	धनु	मीन	धनु	मक	कन्या	मिथु
षष्ठांश	मीन	कन्या	कर्क	धनु	मिथु	मक	वृश्चि	कर्क
सप्तमांश	कन्या	मिथु	मिथु	वृश्चि	मीन	कन्या	कर्क	मेष
अष्टमांश	धनु	वृश्चि	धनु	सिंह	सिंह	मक	तुला	कन्या
नवमांश	कन्या	वृश्चि	मीन	तुला	सिंह	धनु	कन्या	कन्या
दशमांश	कुंभ	सिंह	कर्क	मीन	मेष	मक	तुला	मिथु
एकादशांश	मिथु	सिंह	कर्क	मिथु	मेष	वृष	मक	वृष
द्वादशांश	कर्क	तुला	सिंह	कर्क	वृष	मिथु	कुंभ	कर्क

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	मित्र	मित्र	सम	मित्र	मित्र	सम
होरा	मित्र	स्व	सम	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	मित्र	मित्र
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	सम	शत्रु
पंचमांश	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
षष्ठांश	शत्रु	स्व	मित्र	स्व	सम	मित्र	मित्र
सप्तमांश	शत्रु	मित्र	स्व	सम	सम	शत्रु	शत्रु
अष्टमांश	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	स्व	शत्रु
नवमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	सम	शत्रु
दशमांश	स्व	स्व	मित्र	शत्रु	सम	स्व	शत्रु
एकादशांश	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम
द्वादशांश	सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	मित्र
शुभ	3	9	7	2	2	5	4
सम	3	0	2	5	8	5	2
अशुभ	6	3	3	5	2	2	6
कुल	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	सम	शुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	0	0	0	0	5	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	5	0	5	0	10	5
बल	**क्षीण**	**क्षीण**	**अतिक्षीण**	**क्षीण**	**अतिक्षीण**	**सामान्य**	**क्षीण**

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	22.50	22.50	15.00	22.50	22.50	15.00
उच्च बल	8.46	11.61	15.06	10.06	5.04	4.70	13.51
हददा बल	3.75	3.75	11.25	7.50	15.00	15.00	3.75
द्रेष्काण	2.50	7.50	7.50	7.50	5.00	7.50	7.50
नवमांश	1.25	1.25	3.75	1.25	5.00	2.50	1.25
कुल	30.96	46.61	60.06	41.31	52.54	52.20	41.01
विंशोपक	7.74	11.65	15.02	10.33	13.13	13.05	10.25
बल	**सामान्य**	**शुभ**	**बली**	**शुभ**	**शुभ**	**शुभ**	**शुभ**

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	13.13	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	10.33	अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	13.13	शुभ	**शुक्र**
दिवापति	शनि	10.25	अशुभ	
त्रिराशिपति	शुक्र	13.05	शुभ	

पात्यंश दशा

शुक्र		मंगल		बुध		चंद्र		शनि	
11/01/2019		15/05/2019		26/06/2019		23/07/2019		02/09/2019	
15/05/2019		26/06/2019		23/07/2019		02/09/2019		14/09/2019	
शुक्र	22/02/2019	मंगल	20/05/2019	बुध	28/06/2019	चंद्र	28/07/2019	शनि	02/09/2019
मंगल	08/03/2019	बुध	23/05/2019	चंद्र	01/07/2019	शनि	29/07/2019	गुरु	03/09/2019
बुध	18/03/2019	चंद्र	28/05/2019	शनि	02/07/2019	गुरु	31/07/2019	सूर्य	05/09/2019
चंद्र	01/04/2019	शनि	29/05/2019	गुरु	03/07/2019	सूर्य	09/08/2019	लग्न	06/09/2019
शनि	05/04/2019	गुरु	31/05/2019	सूर्य	09/07/2019	लग्न	11/08/2019	शुक्र	10/09/2019
गुरु	11/04/2019	सूर्य	10/06/2019	लग्न	11/07/2019	शुक्र	25/08/2019	मंगल	12/09/2019
सूर्य	10/05/2019	लग्न	12/06/2019	शुक्र	20/07/2019	मंगल	30/08/2019	बुध	13/09/2019
लग्न	15/05/2019	शुक्र	26/06/2019	मंगल	23/07/2019	बुध	02/09/2019	चंद्र	14/09/2019

गुरु		सूर्य		लग्न		लग्न		लग्न	
14/09/2019		01/10/2019		26/12/2019		26/12/2019		26/12/2019	
01/10/2019		26/12/2019		11/01/2020		11/01/2020		11/01/2020	
गुरु	15/09/2019	सूर्य	21/10/2019	लग्न	27/12/2019	लग्न	27/12/2019	लग्न	27/12/2019
सूर्य	19/09/2019	लग्न	25/10/2019	शुक्र	01/01/2020	शुक्र	01/01/2020	शुक्र	01/01/2020
लग्न	19/09/2019	शुक्र	23/11/2019	मंगल	03/01/2020	मंगल	03/01/2020	मंगल	03/01/2020
शुक्र	25/09/2019	मंगल	03/12/2019	बुध	04/01/2020	बुध	04/01/2020	बुध	04/01/2020
मंगल	27/09/2019	बुध	10/12/2019	चंद्र	06/01/2020	चंद्र	06/01/2020	चंद्र	06/01/2020
बुध	28/09/2019	चंद्र	19/12/2019	शनि	06/01/2020	शनि	06/01/2020	शनि	06/01/2020
चंद्र	30/09/2019	शनि	22/12/2019	गुरु	07/01/2020	गुरु	07/01/2020	गुरु	07/01/2020
शनि	01/10/2019	गुरु	26/12/2019	सूर्य	11/01/2020	सूर्य	11/01/2020	सूर्य	11/01/2020

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र	
11/01/2019		03/03/2019		25/03/2019		24/05/2019		12/06/2019	
03/03/2019		25/03/2019		24/05/2019		12/06/2019		12/07/2019	
बुध	18/01/2019	केतु	05/03/2019	शुक्र	04/04/2019	सूर्य	25/05/2019	चंद्र	14/06/2019
केतु	21/01/2019	शुक्र	08/03/2019	सूर्य	07/04/2019	चंद्र	27/05/2019	मंगल	16/06/2019
शुक्र	30/01/2019	सूर्य	09/03/2019	चंद्र	12/04/2019	मंगल	28/05/2019	राहु	21/06/2019
सूर्य	01/02/2019	चंद्र	11/03/2019	मंगल	15/04/2019	राहु	31/05/2019	गुरु	25/06/2019
चंद्र	05/02/2019	मंगल	12/03/2019	राहु	25/04/2019	गुरु	02/06/2019	शनि	29/06/2019
मंगल	08/02/2019	राहु	15/03/2019	गुरु	03/05/2019	शनि	05/06/2019	बुध	04/07/2019
राहु	16/02/2019	गुरु	18/03/2019	शनि	12/05/2019	बुध	08/06/2019	केतु	06/07/2019
गुरु	23/02/2019	शनि	22/03/2019	बुध	21/05/2019	केतु	09/06/2019	शुक्र	11/07/2019
शनि	03/03/2019	बुध	25/03/2019	केतु	24/05/2019	शुक्र	12/06/2019	सूर्य	12/07/2019

मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध	
12/07/2019		02/08/2019		26/09/2019		14/11/2019		11/01/2020	
02/08/2019		26/09/2019		14/11/2019		11/01/2020		00/00/0000	
मंगल	13/07/2019	राहु	11/08/2019	गुरु	03/10/2019	शनि	23/11/2019	बुध	11/01/2020
राहु	17/07/2019	गुरु	18/08/2019	शनि	10/10/2019	बुध	01/12/2019		00/00/0000
गुरु	19/07/2019	शनि	27/08/2019	बुध	17/10/2019	केतु	05/12/2019		00/00/0000
शनि	23/07/2019	बुध	03/09/2019	केतु	20/10/2019	शुक्र	14/12/2019		00/00/0000
बुध	26/07/2019	केतु	07/09/2019	शुक्र	28/10/2019	सूर्य	17/12/2019		00/00/0000
केतु	27/07/2019	शुक्र	16/09/2019	सूर्य	31/10/2019	चंद्र	22/12/2019		00/00/0000
शुक्र	31/07/2019	सूर्य	18/09/2019	चंद्र	04/11/2019	मंगल	25/12/2019		00/00/0000
सूर्य	01/08/2019	चंद्र	23/09/2019	मंगल	07/11/2019	राहु	03/01/2020		00/00/0000
चंद्र	02/08/2019	मंगल	26/09/2019	राहु	14/11/2019	गुरु	11/01/2020		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - मंगल - केतु	
06/11/2019 09:43	
18/11/2019 20:00	
केतु	07/11/2019 03:07
शुक्र	09/11/2019 04:49
सूर्य	09/11/2019 19:44
चंद्र	10/11/2019 20:36
मंगल	11/11/2019 14:00
राहु	13/11/2019 10:44
गुरु	15/11/2019 02:31
शनि	17/11/2019 01:44
बुध	18/11/2019 20:00

चंद्र - मंगल - शुक्र	
18/11/2019 20:00	
24/12/2019 08:15	
शुक्र	24/11/2019 18:02
सूर्य	26/11/2019 12:39
चंद्र	29/11/2019 11:40
मंगल	01/12/2019 13:23
राहु	06/12/2019 21:13
गुरु	11/12/2019 14:51
शनि	17/12/2019 05:48
बुध	22/12/2019 06:32
केतु	24/12/2019 08:15

चंद्र - मंगल - सूर्य	
24/12/2019 08:15	
03/01/2020 23:55	
सूर्य	24/12/2019 21:02
चंद्र	25/12/2019 18:20
मंगल	26/12/2019 09:15
राहु	27/12/2019 23:36
गुरु	29/12/2019 09:42
शनि	31/12/2019 02:10
बुध	01/01/2020 14:24
केतु	02/01/2020 05:19
शुक्र	03/01/2020 23:55

चंद्र - मंगल - चंद्र	
03/01/2020 23:55	
21/01/2020 18:03	
चंद्र	05/01/2020 11:26
मंगल	06/01/2020 12:17
राहु	09/01/2020 04:12
गुरु	11/01/2020 13:01
शनि	14/01/2020 08:30
बुध	16/01/2020 20:52
केतु	17/01/2020 21:43
शुक्र	20/01/2020 20:44
सूर्य	21/01/2020 18:03

चंद्र - राहु - राहु	
21/01/2020 18:03	
12/04/2020 22:24	
राहु	03/02/2020 01:54
गुरु	14/02/2020 00:53
शनि	27/02/2020 01:10
बुध	09/03/2020 16:35
केतु	14/03/2020 11:38
शुक्र	28/03/2020 04:22
सूर्य	01/04/2020 06:59
चंद्र	08/04/2020 03:21
मंगल	12/04/2020 22:24

चंद्र - राहु - गुरु	
12/04/2020 22:24	
24/06/2020 23:36	
गुरु	22/04/2020 16:09
शनि	04/05/2020 05:45
बुध	14/05/2020 14:07
केतु	18/05/2020 20:23
शुक्र	31/05/2020 00:35
सूर्य	03/06/2020 16:15
चंद्र	09/06/2020 18:21
मंगल	14/06/2020 00:37
राहु	24/06/2020 23:36

चंद्र - राहु - शनि	
24/06/2020 23:36	
19/09/2020 17:31	
शनि	08/07/2020 17:14
बुध	21/07/2020 00:10
केतु	26/07/2020 01:37
शुक्र	09/08/2020 12:36
सूर्य	13/08/2020 20:42
चंद्र	21/08/2020 02:12
मंगल	26/08/2020 03:39
राहु	08/09/2020 03:56
गुरु	19/09/2020 17:31

चंद्र - राहु - बुध	
19/09/2020 17:31	
06/12/2020 08:18	
बुध	30/09/2020 17:25
केतु	05/10/2020 06:05
शुक्र	18/10/2020 04:32
सूर्य	22/10/2020 01:41
चंद्र	28/10/2020 12:55
मंगल	02/11/2020 01:34
राहु	13/11/2020 16:59
गुरु	24/11/2020 01:21
शनि	06/12/2020 08:18

चंद्र - राहु - केतु	
06/12/2020 08:18	
07/01/2021 07:19	
केतु	08/12/2020 05:02
शुक्र	13/12/2020 12:53
सूर्य	15/12/2020 03:14
चंद्र	17/12/2020 19:09
मंगल	19/12/2020 15:53
राहु	24/12/2020 10:57
गुरु	28/12/2020 17:13
शनि	02/01/2021 18:40
बुध	07/01/2021 07:19

चंद्र - राहु - शुक्र	
07/01/2021 07:19	
08/04/2021 14:49	
शुक्र	22/01/2021 12:34
सूर्य	27/01/2021 02:09
चंद्र	03/02/2021 16:46
मंगल	09/02/2021 00:37
राहु	22/02/2021 17:20
गुरु	06/03/2021 21:32
शनि	21/03/2021 08:31
बुध	03/04/2021 06:59
केतु	08/04/2021 14:49

चंद्र - राहु - सूर्य	
08/04/2021 14:49	
06/05/2021 00:16	
सूर्य	09/04/2021 23:42
चंद्र	12/04/2021 06:29
मंगल	13/04/2021 20:50
राहु	17/04/2021 23:27
गुरु	21/04/2021 15:07
शनि	25/04/2021 23:12
बुध	29/04/2021 20:21
केतु	01/05/2021 10:42
शुक्र	06/05/2021 00:16

चंद्र - राहु - चंद्र	
06/05/2021 00:16	
20/06/2021 16:01	
चंद्र	09/05/2021 19:35
मंगल	12/05/2021 11:30
राहु	19/05/2021 07:52
गुरु	25/05/2021 09:58
शनि	01/06/2021 15:28
बुध	08/06/2021 02:41
केतु	10/06/2021 18:37
शुक्र	18/06/2021 09:14
सूर्य	20/06/2021 16:01

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः–

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शरीर में कष्ट भी उत्पन्न होगा जिससे आपको परेशानी रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में अशान्ति तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। ज्ञानार्जन के प्रति भी इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक आप नवीन शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। मिष्ठान्न इस समय आपको प्रियकर लगेंगे तथा यत्न पूर्वक इनका भक्षण करेंगे जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। इस समय आपका सामाजिक प्रभाव मध्यम रहेगा तथा यथा कदा ही अन्य जन आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आपको समय समय पर परेशानी उत्पन्न होगी तथा उनसे आप चिन्तित रहेंगे। स्त्री पक्ष से भी आप सामान्य सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम ही रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक अल्प मात्रा में ही लाभ एवं उन्नति होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु जीविका कार्य निरन्तर चलने वाला रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। यद्यपि इस समय आपको कष्ट प्राप्त होगा परन्तु उसे छिपाने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे सहयोग तथा लाभ भी अल्प ही रहेगा साथ ही परिश्रम पूर्वक खेल के क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः–

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे।मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यो से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रूकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे।फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।

मासिक फलादेश

प्रथम मास

11/01/2019 00:49:20 से 09/02/2019 13:08:39 तक

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से वे विभिन्न प्रकार से आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगें। पारिवारिक जनों से भी इस समय अनावश्यक रूप से अनबन रहेगी जिससे पारिवारिक वातावरण अशान्त रहेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी आप यदाकदा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास आपके कार्य में मंदी आ सकती है या आपका कोई कार्य छूट सकता है। आपके अन्य समाजिक जनों से विवाद भी हो सकते हैं जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी तथा धनहानि की भी सम्भावना होगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता,मन में सन्तोष एवं बुद्धि की वृद्धि होगी जिससे यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी।

द्वितीय मास

09/02/2019 13:08:39 से 11/03/2019 08:43:04 तक

समान्य रूप से इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार से चोरी आदि की घटना भी घटित हो सकती है।साथ ही आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी का अनुभव करेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में अल्पता आएगी तथा स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। इससे शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। साथ ही आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे एवं मुकद्दमे आदि के कार्य में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी पूर्वक ऐसे समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे।अतः स्त्री तथा पुत्र संतति से सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी एवं अन्य प्रकार से भी शान्ति की अनुभूति करेंगे।

तृतीय मास

11/03/2019 08:43:04 से 10/04/2019 15:35:11 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास

10/04/2019 15:35:11 से 11/05/2019 10:55:29 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

पंचम् मास

11/05/2019 10:55:29 से 11/06/2019 16:32:01 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

षष्ठ मास

11/06/2019 16:32:01 से 13/07/2019 03:15:42 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे। इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे।अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रूधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

सप्तम् मास
13/07/2019 03:15:42 से 13/08/2019 12:25:18 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशाक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
13/08/2019 12:25:18 से 13/09/2019 13:47:10 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
13/09/2019 13:47:10 से 14/10/2019 03:25:19 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
14/10/2019 03:25:19 से 13/11/2019 04:41:37 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी।साथ ही आपके शत्रु भी इस महीने में प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे।अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको पूर्ण सहयोग करना चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा होने पर वे आपको दंडित कर सकते हैं।साथ ही इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे एवं धन का व्यय भी अधिक रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज से भी आप उपेक्षत रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय सफल नहीं होगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आपको यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सामान्य धनार्जन एवं सुख प्राप्त

करने में भी सफल रहेंगे।

एकादश मास

13/11/2019 04:41:37 से 12/12/2019 20:13:42 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास

12/12/2019 20:13:42 से 11/01/2020 07:03:51 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे तथा शुभ फल अल्प मात्रा में होंगे। इस समय शत्रुपक्ष के प्रबल होने से उनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा चिन्तित भी रहेंगे।साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा विभिन्न प्रकार से व्यवधान आते रहेंगे।साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी परेशान रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्ट हो सकते है।साथ ही आपकी कोई दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में भी आप असफल रहेंगे तथा किसी मुकद्दमे आदि में धन हानि की भी संभावना रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।अतः सावधानी तथा बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में समय समय पर आप शुभ फल भी अर्जित कर सकेंगे। इसके प्रभाव

से आप स्त्री का पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा जिससे आपके कई कार्य बुद्धिमता से पूर्ण होंगे तथा धनार्जन में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखकर समाज में आदर प्राप्त करेंगे।